उपराष्ट्रपति, भारत

संदेश

मैं ईद-उल-फित्र के मंगलमय अवसर पर अपने देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

यह त्योहार 'रमजान' के पवित्र महीने के दौरान रखे जाने वाले रोजे के समापन पर देश भर में परम्परागत हर्षोल्लास, भाईचारे तथा सौहार्द की भावना के साथ मनाया जाता है। रमजान के दौरान रखे जाने वाले रोजे से दानशीलता एवं उदारता की भावना की परिपुष्टि होती है और गरीबों तथा वंचितों के प्रति सहानुभूति की भावना प्रदर्शित होती है।

मैं कामना करता हूं कि यह त्योहार सभी नागरिकों को इन्सानियत तथा भाईचारे की भावना से जोड दे और हमें गरीबी, दु:ख तथा भूख से मुक्त एक ऐसे समाज का निर्माण करने के लिए प्रेरित करे जहां आपसी मेल-जोल और अमन हो।

ह./-

(मो. हामिद अंसारी)

नई दिल्ली;
29 सितम्बर, 2008